लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है। सीतापुर से बहराइच तक (ब० ला०) और सीतापुर शहर से हरदोई तक (ब०ला०) रेल लाइन क्रमशः 130 कि० मी० और 65 कि० मी० होगी और इन पर वर्तमान अनुमान के अनुसार क्रमशः लगभग 40 करोड़ रुपये और 20 करोड़ रुपये की लागत करने की सम्भावना है। संसाधनों की भारी कमी के कारण, इन रेल लाइनों का निर्माण करना सम्भव नहीं होगा।

(ग) जी नहीं।

(घ) नयी परियोजनाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से प्राप्त ऋण का आवंटन विशिष्ट प्राथमिकताओं के आधार पर किया जायेगा लेकिन सुझायी गयी नयी लाइनों के निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

रेलवे स्टेशन फेरीवालों को कमीशन

4253. **श्री बाजा साहिब पवार : क्या रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे स्टेशन फेरीवालों को प्रतिमाह कितनी कमीशन मिलती है और क्या ये फेरीवाले उसका एक भाग अपने सहायकों को भी देते हैं और क्या कमीशन इन फेरी वालों और उनके सहायकों की जीविका के लिए पर्याप्त है,

(ख) क्या यह सच है कि टूंडला, कानपुर और इलाहाबाद रेलवे स्टेशनों के फेरीवाले रात को अपने घरों में आराम करते हैं और उनके सहायक रातभर अकेले ही काम करते हैं और यदि हां तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार रात को इस बारे में कोई जांच पड़ताल करेगी कि ये फेरीवाले कैसे रात को अपने घरों में आराम करते हैं और कैसे स्वयं को दिन रात काम करता हुआ दिखाते हैं ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप-मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (ग) टुण्डला, कानपुर और इलाहाबाद रेलवे स्टेशनों पर मार्च से मई, 1982 के दौरान कमीशन वेंडरों द्वारा अर्जित औसत कमीशन इस प्रकार है:—

टुण्डला	: 225 रु० से 250 रु०
कानपुर सेन्ट्रल	: 250 रु० से 300 रु०
इलाहाबाद	: 250 रु० से 280 रु०

कमीशन वेंडरों द्वारा अर्जित राशि उनके लिए पर्याप्त समझी जाती है। कमीशन वेंडरों द्वारा स्वयं सहायक रखे जाते हैं और उन्हें दी जाने वाली पारिश्रमिक दोनों द्वारा आपस में तय करके निर्धारित की जाती है। आम तौर पर वेंडर और सहायक मिलकर इकट्ठे काम करते हैं। जब गाड़ियों के आने जाने का समय नहीं होता है, तो उस दौरान वेंडर बिक्री बन्द कर देते हैं। इस आशय की कोई शिकायत नहीं मिली है कि रात में वेंडर अपने घरों में आराम करते हैं और अपने सहायकों से चौबीस घंटे काम लेते हैं। वेंडर अपने सहायकों को बिक्री का काम नहीं सौंप सकते क्योंकि उन्हें विक्रेता के रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है। निरीक्षण अधिकारियों द्वारा बार बार जांच की जाती है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि रात्रि में अपने घरों में विश्राम कर रहे वेंडरों को स्टेशनों पर ड्यूटी पर तो नहीं दिखाया जाता।

U. S. Decision to use Space for Military Purposes

4254. SHRI B. V. DESAI : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether attention of the Union Government has been drawn to the press reports in the Indian Express dated 6 July, 1982 in which it has been stated that U.S. has decided to use space for military purposes ;

(b) if so, what steps Union Government propose to take in this regard and whether any move in the United Nations has been initiated for the purpose ; and

(c) if not, the main reasons for the same ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO) (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Government of India are opposed to the use of Space for military purposes. These views are well-known and have been reiterated several times in appropriate international and other forums. At the 36th UN General Assembly in 1981,